Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

बहुविकल्पी प्रश्न

1. भारत सरकार ने वन्य जीव सुरक्षा अधिनियम कब पारित किया?

(अ) 1974 में (ब) 1976 में

(स) 1972 में (द) 1978 में

2. इंटरनेशनल यूनियन फॉर द कंजरवेशन ऑफ नेचर एंड नेच्युरल रिसोर्सेज IUCN विश्व की सभी संकटापन्न प्रजातियों के बारे में किस नाम से सूचना प्रकाशित करता है?

(अ) रेड लिस्ट (ब) येलो लिस्ट

(स) वाइल्ट लाइफ लिस्ट (द) व्हाइट लिस्ट

3. वे प्रजातियाँ जो स्थानीय आवास की मूल जैव प्रजाति नहीं हैं, लेकिन उस तंत्र में स्थापित की गई है, उन्हें कहा जाता है-

(अ) स्थानीय प्रजातियाँ (ब) विदेशज प्रजातियाँ

(स) संकटग्रस्त प्रजातियाँ (द) लुप्त प्रजातियाँ

4. हॉट स्पॉट किसके आधार पर परिभाषित किये गये हैं ?

(अ) उपरोक्त सभी ब) वन्यजीव

(स) मानव (द) वनस्पति

5. जैव विविधता की क्षति के लिए उत्तरदायी प्रमुख कारक हैं -

(अ) जनसंख्या वृद्धि व वनोंन्मूलन (ब) प्राकृर्तिक आपदाएं व प्रदुषक

(स) वन्यजीवों का शिकार (द) उपरोक्त सभी कारक

6. कौन-सा देश महा विविधता केन्द्र नहीं है?

(अ) भारत व चीन (ब) अमेरिका व कनाडा

(स) ब्राजील व कोलंबिया (द) मलेशिया व इंडोनेशिया

7. उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों में पृथ्वी की कितने प्रतिशत प्रजातियाँ पाई जाती है ?

(अ) लगभग 35 प्रतिशत (ब) लगभग 50 प्रतिशत

(स) लगभग 55 प्रतिशत (द) लगभग 45 प्रतिशत

8. उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में विश्व की कितनी जनसंख्या रहती है?

(अ) आधी जनसंख्या (ब) उपरोक्त में से कोई नहीं

(स) तीन चौथाई जनसंख्या (द) एक चौथाई जनसंख्या

9. निम्नलिखित में से असुरक्षित प्रजातियाँ कौन-सी हैं?

(अ) जिन प्रजातियों के लुप्त होने का खतरा है (ब) जो दूसरों को असुरक्षा दें

(स) बाघ व शेर (द) जिनकी संख्या अत्यधिक हो

मिशन ज्ञान पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video Courses | Quiz | PDF | Test Series
Download Mission Gyan App

10. जैव विविधता से संबंधित सम्मेलन कब और कहाँ हुआ था?

(अ) रोम 1998 (ब) अटलांटा 1996

(स) वियना 1994 (द) रियो-डी-जेनेरो 1992

रिक्त स्थान :

11. भारत में वन्य जीव सुरक्षा अधिनियम ..... में पारित किया गया।

12. भारत में पश्चिमी घाट तथा ..... पारिस्थितिक हॉट-स्पॉट है।

सत्य / असत्य

13. वर्तमान जैव-विविधता 2.5 से 3.5 अरब वर्षों के विकास का परिणाम है।

14. जिन क्षेत्रों में प्रजातीय विविधता अधिक होती है, उन्हें हॉट-स्पॉट कहते है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. पृथ्वी पर जैव विविधता एक जैसी नहीं है। व्याख्या करें।

16. उन देशों के नाम बताएँ, जहाँ संसार की सर्वाधिक प्रजातीय विविधता पाई जाती है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. आनुवांशिक जैव विविधता के बारे में व्याख्या करें।

18. जैव विविधता की पारिस्थितिकीय भूमिका के बारे में व्याख्या करें।

निबंधात्मक प्रश्न

19. प्रकृति को बनाए रखने में जैव विविधता की भूमिका का वर्णन करें।

20. प्राकृतिक आपदाएँ एवं अवैध शिकार किस प्रकार जैव विविधता को क्षति पहुँचाते हैं?

HOTS

21. जैव विविधता के ह्रास के लिए उत्तरदायी प्रमुख कारकों का वर्णन करें। इसे रोकने के उपाय भी बताएँ।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (स) भारत सरकार ने वन्य जीव सुरक्षा अधिनियम 1972 में पारित किया।
2. (अ) यह संकटग्रस्त जातियों की IUCN लाल सूची है, जिसे IUCN लाल सूची या रेड डाटा सूची भी कहते हैं। यह सन् 1963 में गठित विश्व-भर में पौधों और पशुओं की जातियों की संरक्षण स्थिति की सबसे व्यापक तालिका है।
3. (ब) विदेशज प्रजातियाँ -ऐसी प्रजातियाँ जो किसी बाहय पारिस्थितिकी तंत्र का भाग हों। विश्व के अनेक भागों में विदेशज प्रजातियों के आगमन से पारितंत्र की मूल प्रजातियों की भारी क्षति हुई है।
4. (द) हॉट स्पॉट वनस्पति के आधार पर परिभाषित किये गये हैं।
5. (द) जैव विविधता की क्षति के लिए उपरोक्त सभी कारक प्रमुख रूप से उत्तरदायी हैं।
6. (ब) अमेरिका व कनाडा देश महा विविधता केन्द्र नहीं है। कनाडा उत्तरी अमेरिका का एक देश है जिसमें दस प्रान्त और तीन केन्द्र शासित प्रदेश हैं।
7. (ब) उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों में पृथ्वी की लगभग 50 प्रतिशत प्रजातियाँ पाई जाती हैं।
8. (स) उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में विश्व की तीन चौथाई जनसंख्या रहती है।
9. (अ) जिन प्रजातियों के लुप्त होने का खतरा है।
10. (द) पर्यावरण एवं विकास पर पहले संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीईडी) का आयोजन वर्ष 1992 में रियो डि जेनारियो में किया गया था।
11. **रिक्त स्थान :** 1972
12. **रिक्त स्थान :** पूर्वी हिमालय
13. **सत्य / असत्य :** सत्य
14. **सत्य / असत्य :** सत्य
15. सामान्य रूप से जैव विविधता का अर्थ जीव जन्तुओं एवं वनस्पतियों की विभिन्न प्रजातियों से है। यह पारस्परिक अस्तित्वपर आधारित सहयोग का एक प्रकार है और अक्सर एक संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र जिसका संदर्भ है। जैव विविधता उष्ण कटिबंधीय प्रदेशों में अधिक होती है। जैसे-जैसे हम ध्रुवीय प्रदेशों की तरफ बढ़ते हैं, प्रजातियों की विविधता तो कम होती जाती है, लेकिन जीवधारियों की संख्या अधिक होती जाती है।
16. इन देशों में संसार की सर्वाधिक प्रजातीय विविधता पाई जाती है:- मैक्सिको, कोलंबिया, इक्वेडोर, पेरू, ब्राज़ील, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ़ कांगो, मेडागास्कर, चीन, भारत, मलेशिया, इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया।
17. जीवन-निर्माण के लिए जीन एक मूलभूत इकाई है। किसी प्रजाति में जीन की विविधता ही आनुवांशिक जैव विविधता है। समान भौतिक लक्षणों वाले जीवों के समूह को प्रजाति कहते हैं। मानव आनुवांशिक रूप से होमोसेपियंस प्रजाति से संबंधित है, जिसमें कद, रंग और अलग दिखावट जैसे शारीरिक लक्षणों में काफी भिन्नता है। इसका कारण आनुवांशिक विविधता है। विभिन्न प्रजातियों के विकास व फलने-फूलने के लिए आनुवांशिक विविधता अत्यधिक अनिवार्य है।
18. - पारिस्थितिकी तंत्र एक समुदाय और इसका भौतिक पर्यावरण होता है जिसे यह एक समय विशेष में ग्रहण करता है। सभी जीव अपने एवं अपने पारिस्थितिकी तंत्र के मध्य परस्पर संबंधों से मदद प्राप्त करते हैं। एक पारिस्थितिकी तंत्र में प्रत्येक प्रजाति कम से कम एक कार्य के लिए अच्छी होती है। इन समस्त कार्यों में से प्रत्येक प्रजातीय सामंजस्य, प्रजातीय विविधता और प्रजातीय स्वास्थ्य को निर्धारित करने वाले तंत्र का महत्वपूर्ण भाग होता है। जैव विविधता में कमी पारिस्थितिकी तंत्र को कम टिकाऊ कर देती है। यह अत्यन्त उग्र घटनाओं से अधिक असुरक्षित हो जाता है तथा इसके प्राकृतिक चक्र कमजोर पड़ जाते हैं।

100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

पारिस्थितिकी तंत्र बहुत सी ऐसी सूक्ष्म सेवाएं भी हमें प्रदान करता है जिन्हें अनुमोदित करना तो दूर, हम उन्हें पहचान भी नहीं पाते हैं। उदाहरण के लिए, जीवाण एवं मिट्टी के जीव कूड़े-कचरे को अपघटित कर उर्वर भूमि का निर्माण करते हैं। पौधों में परागण क्रिया के वाहक, जैसे चमगादड़ और मधुमक्खी, यह सुनिश्चित करते हैं कि साल दर साल हमारी फसलें अंकुरित हो सकने वाले बीज पैदा करती रहें। अन्य प्राणि, जैसे लेडीबग और मेंढक फसलों के कीटाणुओं को सीमित रखने में सहायक होते हैं।

19. प्रकृति को बनाए रखने में जैव विविधता की भूमिका-

प्रकृति को बनाए रखने में जैव विविधता की भूमिका बहुत महत्त्वपूर्ण है। पारितंत्र में अनेक प्रजातियाँ कोई न कोई क्रिया करती हैं। पारितंत्र में कोई भी प्रजाति बिना वजह न तो विकसित हो सकती है तथा न ही बनी रह सकती है अर्थात् हर जीव अपनी ज़रूरत पूरा करने के साथ ही दूसरे जीवों के पनपने में भी महत्वपूर्ण होता है। जीव व प्रजातियाँ ऊर्जा ग्रहण कर उसका संग्रहण करती हैं, कार्बनिक पदार्थ उत्पन्न एवं विघटित करती हैं तथा पारितंत्र में जल व पोषक तत्वों के चक्र को बनाए रखने में आवश्यक होती हैं। इसके अलावा प्रजातियाँ वायुमंडलीय गैस को स्थिर करती हैं एवं जलवायु को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण होती हैं। मानव जीवन के लिए ये पारितंत्रीय महत्त्वपूर्ण हैं। परितंत्र में जितनी अधिक भिन्नता होगी, प्रजातियों के प्रतिकूल स्थितियों में भी रहने की संभावना तथा उनकी उत्पादकता भी उतनी ही अधिक होगी। प्रजातियों की क्षति से तंत्र के बने रहने की क्षमता भी कम हो जाएगी। ज़्यादा आनुवांशिक विविधता वाली प्रजातियों की तरह अधिक जैव विविधता वाले परितंत्र में जितनी प्रकार की प्रजातियाँ होगीं, वह परितंत्र उतना ही अधिक स्थायी होगा।

20. प्राकृतिक आपदाएँ एवं अवैध शिकार निम्नलिखित प्रकार से जैव विविधता को क्षति पहुँचाते हैं :

प्राकृतिक आपदाओ द्वारा जैव विविधता को क्षति : प्राकृतिक आपदाएँ, जैसे- भूकंप, बाढ़, ज्वालामुखी उद्गार, दावानल, सूखा आदि पृथ्वी पर पाई जाने वाली प्राणि जाति और वनस्पति जाति को क्षति पहुँचाते हैं और परिणामस्वरूप संबंधित प्रभावित प्रदेशों की जैव विविधता में बदलाव आता है। कीटनाशक और अन्य प्रदूषक जैसे हाइड्रोकार्बन और विषैली भारी धातु संवेदनशील और कमजोर प्रजातियों को नष्ट कर देते हैं। वे प्रजातियाँ जो स्थानीय आवास की मूल जैव प्रजाति नहीं हैं, लेकिन उस तंत्र में स्थापित की गई हैं, उन्हें विदेशज प्रजातियाँ कहा जाता है। ऐसे कई उदाहरण हैं, जब विदेशज प्रजातियों के आगमन से पारितंत्र में प्राकृतिक या मूल जैव समुदाय को व्यापक नुकसान हुआ।

शिकार द्वारा जैव विविधता को क्षति : पिछले कई दशकों से कुछ जंतुओं, जैसे-बाघ, चीता, हाथी, गैंडा, मगरमच्छ, मिंक और पक्षियों का, उनके सींग, सूंड व खालों के लिए निर्दयतापूर्वक अवैध शिकार किया जा रहा है। इसके फलस्वरूप कुछ प्रजातियाँ लुप्त होने के कगार पर आ गई हैं।

21. जैव विविधता के ह्रास के निम्नलिखित कारण हैं-

i. वनों का ह्रास कृषि भूमि को बढ़ाने के लिए, तेजी से किया जा रहा है। वन-भूमि के ह्रास किन वजह सेव वन्य जीवों के निवास-स्थल का भी हास होता जा रहा है।

ii. मनुष्य ने कई क्षेत्रों में जंगली जानवरों का शिकार काफी मात्रा में किया हैं, जिससे इन क्षेत्रों में इन जंगली जानवरों की संख्या बहुत कम हो गई है।

iii. वर्तमान औद्योगिक युग में उद्योगों से निकलने वाला रसायनयुक्त प्रदूषित जल जब जलाशयों में मिल जाता है तो उन जलाशयों के जीव-जंतु या तो खत्म हो जाते हैं या उनका जीवन खतरे में रहता है।

इसे रोकने के निम्नलिखित उपाय हैं-

i. जो उद्योग जहरीली गैसों से युक्त है उन पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए या जनसंख्या विहीन क्षेत्रों में उनकी स्थापना की जानी चाहिए।

ii. विश्व की बंजर भूमि में वनों को लगाना चाहिए।

iii. जैविक विविधता के संरक्षण से संबंधित एक रूपों तैयार करनी चाहिए, जिसको अमल में लाने के लिए सभी देशों को बाध्य करना चाहिए।

VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App